yayawariviabhojpuri@gmail.com
Contact No:9936080070

Yayawari
via bhojpuri

49 D Kailashpuram Kunraghat Gorakhpur 273008

सेवा में,

श्रीमान प्रबंधक / प्राचार्य

चंद्रकांति रामवाती देवी
आर्य महिला पी.जी.कॉलेज
दीवान बाजार, गोरखपुर

विषय: आपके सम्मानित महाविद्यालय में यायावरी क्लब के गठन हेतु प्रस्ताव ।

महोदया,
उपरोक्त विषयक सादर कहना है कि ईश्वर बृज फाउंडेशन द्वारा संचालित माटी परियोजना के तहत निर्मित भोजपुरी भाषा के पहले स्टोरी टेलिंग मोबाइल ऐप्लिकेशन 'यायावरी वाया भोजपुरी' द्वारा विगत तीन वर्षों से विश्व के अलग-अलग देशों, अलग- अलग भाषाओं की कहानियों को भोजपुरी भाषा में अनूदित करते हुए लोगों को सुनने के लिए अपने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और विहार के अठारह जिलों में बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा के संवर्धन और विकास के लिए तथा अपनी माटी से युवाओं को जोड़ने के लिए यायावरी वाया भोजपुरी परिवार द्वारा एक नई योजना की शुरुआत की गई है, जिसका नाम 'यायावरी क्लब' चुना गया है। इससे संबंधित विस्तृत प्रस्ताव (एमओयू सहित) पत्र के साथ संलग्न है।

अनुरोध है कि इस प्रस्ताव एवं एमओयू का अवलोकन करने तथा सहमत होने पर एमओयू पर हस्ताक्षर कर अपने महाविद्यालय में 'यायावरी क्लब' का गठन करने की प्रक्रिया की शुरुआत की जाए, जिससे की भोजपुरी की अस्मिता में उत्तरोत्तर प्रगति में हम सभी का योगदान सुनिश्चित हो सके।

शुभकामनाओं सहित
Shweta
श्वेता सुप्रिया
परियोजना अधिकारी
यायावरी वाया भोजपुरी

Scanned with OKEN Scanner

यायावरी क्लब गठन हेतु सहमति पत्र

इस सहमति पत्र के माध्यम से ईश्वर बृज फाउंडेशन (प्रथम पक्ष) एवं चन्द्रकांति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज महाविद्यालय (द्वितीय पक्ष) भोजपुरी भाषा के विकास, प्रसार एवं युवाओं के मध्य भाषा के माध्यम से कौशल विकास के निमित्त निम्न कार्य-योजना के अनुसार मिल कर कार्य करने की सहमति व्यक्त की जाती है।

उद्देश्य : यायावरी क्लब के गठन का प्रधान उद्देश्य युवाओं को भोजपुरी भाषा से जोड़ना है। किसी भी भाषा को भली प्रकार सीख कर उसके प्रयोग को कौशल में बदला जा सकता है। अतः इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को निम्नवत रेखांकित किया जा सकता है

1. युवाओं को भोजपुरी के सही स्वरूप से परिचित करवाना।

2. भोजपुरी भाषा के माध्यम से भोजपुरी लोक साहित्य, लोक संगीत और लोक कलाओ का संवर्धन और संरक्षण हेतु युवाओं को जागरूक करना।

3. भोजपुरी भाषा को दक्षता से बोलने समझने के गुणों का विकास कर युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार का सृजन हेतु माहौल तैयार करना ।

4. भाषा की गरिमा का संवर्धन और संरक्षण।

कार्य योजना : इन उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु, महाविद्यालय स्तर पर एक यायावरी क्लब का गठन किया जाएगा, जिसमें महाविद्यालय के छात्र और छात्राएं सदस्य होंगे। महाविद्यालय स्तर से एक शिक्षक का चयन किया जाएगा जो समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। क्लब गतिविधियों का एक कैलंडर बनाया जाएगा जिसमें छात्र छात्राओं की रुचियों का ध्यान रखते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम बनाए और कराए जाएंगे। नाटक, कथा पाठ, कविता पाठ, लोक गायन, चित्र कला की कार्यशालाएं (वर्कशाप) समय-समय पर आयोजित की जाएंगी जिससे छात्र छात्राएं भविष्य में लेखक, कवि, अभिनेता, चित्रकार, गायक, रेडियो जॉकी, पॉडकास्टिंग जैसे पेशों को अपना सकें।

Scanned with OKEN Scanner

दोनों पक्ष मिल कर निम्नलिखित कार्य योजना के अनुसार कार्य करेंगे :

1. महाविद्यालय स्तर से न्यूनतम 20 युवाओं के साथ यायावरी क्लब का गठन (व्हाट्सएप पर)

2. क्लब गठन के लिए महाविद्यालय स्तर से साहित्यिक सामाजिक अभिरुचि वाले किसी एक शिक्षक/शिक्षिका का समन्वयक के रूप में मनोनयन ।

3. महाविद्यालय स्तर से सप्ताह में एक दिन क्लब गतिविधि हेतु एक घंटे का अवसर प्रदान करना।
4. महाविद्यालय स्तर से कार्यशाला संचालन हेतु स्थल एवं भौतिक वस्तुओं जैसे माइक, साउन्ड सिस्टम आदि की व्यवस्था ।
5. ईश्वर बुज फाउंडेशन के स्तर से गतिविधियों के एक कैलेंडर का निर्माण एवं वितरण ।

6. ईश्वर बृज फाउंडेशन के स्तर से वर्ष में न्यूनतम दो और अधिकतम चार कार्यशालाओं का संचालन ।

व्ययः इन कार्यक्रमों पर आने वाले व्यय के संबंध में निम्न रूप से सहमति बनाई जाती है।

1. सामान्य तौर पर की जाने वाली गतिविधियां इस प्रकार चयनित की जाएंगी कि न्यूनतम व्यय में अधिकतम परिणाम प्राप्त किये जा सके।
2. बाहर से बुलाए जाने वाले विषय विशेषज्ञों के आवागमन का प्रबंध ईश्वर बृज फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा, आगंतुक को दिए जाने वाले स्मृति चिह्न भेंट का प्रबंध भी ईश्वर बुज फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा महाविद्यालय के स्तर से उनके आवासन में यदि सहयोग किया जा सकेगा तो वाहरी विशेषज्ञों को आमंत्रित करना आसान हो सकेगा।

3. महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाले वर्कशॉप / कार्यशाला में महाविद्यालय के स्तर से स्थान, मंच, माइक साउन्ड सिस्टम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएंगी, साथ ही यदि आवश्यक हुआ तो संयुक्त व्यय से बैनर पोस्टर आदि तैयार करवाए जाएंगे जिनमें दोनों पक्षों के नाम एवं लोगो समान रूप से प्रदर्शित किये जाएंगे।

4. वर्तमान में यह कार्यक्रम ईश्वर बृज फाउंडेशन के अपने स्रोतों से आयोजित किया जा रहा है, इसलिए क्लब समन्वयकों को किसी प्रकार का मानदेय दे पाना प्रथम पक्ष के लिए संभव नहीं प्रतीत होता । भविष्य में यदि कार्यक्रम को कोई प्रायोजक मिलता है अथवा किसी प्रकार से यायावरी क्लब वित्त पोषित होता है तो समन्वयकों के समुचित मानदेय का प्रबंध प्रथम पक्ष द्वारा किया जाएगा।

अवधिः इस एमओयू की अवधि 17.10.2023 से 17.10.2026 तक की होगी। अवधि की समाप्ति पर एक चार सदस्यीय दल (जिसमें दो सदस्य ईश्वर बृज फाउंडेशन से एवं दो सदस्य महाविद्यालय के स्तर से नामित किये जाएंगे) विगत तीन वर्षों की उपलब्धियों का मूल्यांकन कर अगले तीन वर्षों के लिए अवधि विस्तार की सहमति देगा। दल की संस्तुतियों के आलोक में अगले एमओयू की शर्तों का अंतिम निर्धारण किया जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

यायावरी क्लब के संचालन की अवधि में यदि किसी समय महाविद्यालय परिवार को ऐसा प्रतीत होता है कि यायावरी क्लब के संचालन में किसी प्रकार की अड़चन आ रही है तो, ऐसी दशा में 'समस्या निवारण समिति बना कर समस्या का निवारण करने के प्रयास किये जाएंगे इस समिति में महाविद्यालय के एक वरिष्ठ शिक्षक अथवा प्राचार्य, यायावरी क्लब के समन्वयक एवं ईश्वर बृज फाउंडेशन के एक नामित प्रतिनिधि सदस्य होंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम : यायावरी क्लब द्वारा युवाओं के भीतर मौजूद विभिन्न क्षमताओं को विकसित करने का कार्य किया

जाएगा। पूरे वर्ष के कैलंडर में यायावरी क्लब निम्न कार्यक्रमों का संचालन करेगा:

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	संख्या
1	पूर्ण दिवसीय कार्यशाला	न्यूनतम 2 अधिकतम 4
2	अर्ध दिवसीय कार्यशाला	त्रैमासिक आयोजन
3	पाक्षिक बैठक / क्लब गतिविधि	प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौथे मंगलवार को (अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस पर)

Shweta
श्रीमति श्वेता सुप्रिया
यायावरी दाया भोजपुरी
परियोजना अधिकारी

Suman 17/10/2023
डॉ. सुमन सिंह

प्रधानाचार्य

प्राचार्या
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला
पी० जी० कालेज, गोरखपुर

गवाह

1. Gyaneshwari Tripathi ....

2. B. Mishra ....

1. .... 17/10/2023 ....

2. ....

Scanned with OKEN Scanner